



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

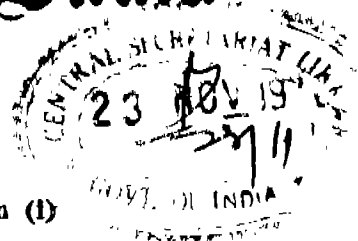
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 241]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 20, 1972/भाद्र 29, 1894

No. 241]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 20, 1972/BHADRA 29, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue and Insurance)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 20th September 1972

**G.S.R. 413(E).**—In exercise of the powers conferred by section 16 of the General Insurance (Emergency Provisions) Act, 1971 (17 of 1971), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the General Insurance (Emergency Provisions) Rules, 1971, namely:—

1. (1) These rules may be called the General Insurance (Emergency Provisions) Second Amendment Rules, 1972.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 3 of the General Insurance (Emergency Provisions) Rules, 1971 (hereinafter referred to as the said rules),—

(i) In clause (a), for the words "Seventy per cent of every such payment of compensation shall be held by him", the words "Out of every payment of compensation, the amount calculated at the rate specified in the Schedule appended to these rules shall be held to an insurer" shall be substituted;

(ii) In clause (b), the words "of thirty per cent" shall be omitted.

3. After rule 3 of the said rules, the following Schedule shall be inserted, namely:—

“THE SCHEDULE

[See rule 3(a)]

1. Where the insurer is a company as is referred to in section 108 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961):—

(i) in a case where the total income as defined in that Act does not exceed Rs. 50,000.

(ii) in case where the total income as defined in that Act exceeds Rs. 50,000 56.625 per cent.

2. In any other case 66.25 per cent”.

[No. F. 63(48)-INS-I/71.]

A. RAJAGOPALAN,

Officer on Special Duty and Ex. Officio Addl. Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व और बीमा विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 1972

सा० का० नि० 413 (अ).—साधारण बीमा (आयात उपबन्ध) अधिनियम, 1971 (1971 का 17) की धारा 16 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, साधारण बीमा (आपात उपबन्ध) नियम, 1971 में और संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनायी है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम साधारण बीमा (आयात उपबन्ध), द्वितीय संशोधन नियम, 1972 होगा ;

(2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. साधारण बीमा (आपात उपबन्ध) नियम, 1971 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियमों कहा गया है) के नियम 3 में :—

(i) खण्ड (क) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“प्रतिकर के प्रत्येक संदाय में से इन नियमों से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट दर पर संगणित रकम, बीमाकर्ता द्वारा, ऐसे आयकर और नत्सयम प्रवृत्त किसी विधि के अधीन किसी अन्य कर या देय की बाबत, जिसको बीमाकर्ता ऐसे प्रतिकर पर संदाय करने के लिए दायी होगा, यह धारणा करते हुए कि कुल आयकर और अन्य ऐसा देय, जिसके लिए बीमाकर्ता का निर्धारण किया गया है, प्रतिकर के ऐसे संदाय पर उस अनुपात में वितरित किया गया है जो कुल आयकर और अन्य ऐसे देय, जिसके लिए यह, यथास्थिति, निर्धारण वर्ष

1972-73 या 1973-74 के लिए निर्धारित किया जाए और सुसंगत वर्ष की बाबत आयकर के लिए निर्धारित कुल आय के बीच के अनुपात के बराबर हो, बीमाकर्ता के अभिरक्षक को प्रतिपूर्ति करने के लिए किसी अनुमूचित बैंक, राष्ट्रीयकृत बैंक या भारतीय स्टेट बैंक की किसी शाखा में 31 दिसम्बर, 1972 से पूर्व समाप्त न होने वाली अवधि के लिए प्रतिभूति के रूप में अलग निक्षेप में रखी जाएगी;”

(ii) खण्ड (ख) में “यथापूर्वोक्त संदाय के अतिशेष के तीस प्रतिशत” शब्दों के स्थान पर, “यथापूर्वोक्त संदाय का अतिशेष शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

3. उक्त नियमों के नियम 3 के पश्चात्, निम्नलिखित अनुसूची अतः स्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

### अनुसूची

#### [नियम 3 (क) देखिए]

1. जहां बीमाकर्ता ऐसी कम्पनी है, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 108 में निर्दिष्ट है :—

(i) उस दशा में जहां उस अधिनियम में यथापरिभाषित कुल आय 50,000 रु० से अधिक न हो 46.125 प्रतिशत

(ii) उस दशा में, जहां उस अधिनियम में यथा परिभाषित कुल आय 50,000 रु० से अधिक न हो 56.375 प्रतिशत

2. किसी अन्य दशा में 66.625 प्रतिशत।”

[सं० फा० 63(48)बीमा I (71)]

अ० राजगोपालन,  
विशेष कार्य अधिकारी और पदेन अपर सचिव।

